



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दैनिक भास्कर

दिनांक  
18. 9. 25

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
१-३

• एचएयू में 7 दिवसीय कार्यशाला में वीसी प्रो. काम्बोज बोले  
**कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से  
निपटने में टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका**

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की  
नेशनल लैब में अनुसंधान और  
विकास के लिए उच्च स्तरीय  
विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर  
सत्र दिवसीय कार्यशाला हुई। जैव  
नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं  
औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग  
द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित  
कार्यशाला में पंजाब कृषि विवि,  
जीजेयू हिसार, केंद्रीय विवि,  
महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विवि,  
एनएबीआई, मोहल्ली तथा एचएयू के  
प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।  
कार्यशाला के समापन पर एचएयू के  
कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज बतार  
मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा



एचएयू कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

कि जब तक हम केवल तकनीकी  
ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक  
हम केवल प्रक्रिया जानते हैं।  
आधुनिक विज्ञान और तकनीक के  
सहयोग से हम कृषि को अधिक  
टिकाऊ बना सकते हैं। इन  
चुनौतियों से निपटने के लिए हमें  
सत्र कृषि पञ्चतियों को अपनाना  
होगा तथा आधुनिक तकनीक  
(ड्झेन, एआई) का उपयोग  
बढ़ाना होगा। कृषि क्षेत्र में  
जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा,

बायोटेक्नोलॉजी, नैनो टेक्नोलॉजी  
तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका  
अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में उपरोक्त कॉलेज  
के अधिष्ठाता एवं कोर्स के  
डायरेक्टर डॉ. केडी शर्मा ने कहा  
कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और  
भविष्य की चुनौतियों को महेनजर  
रखते हुए विद्यार्थियों और  
वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों  
के बारे में जागरूक करना अति  
आवश्यक है।



## चौधरी चरण सिंह हारियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
नं। १५१२०१

दिनांक  
१८. ९. २५

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
३-६

### जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टेक्नोलाजी सहायक

जागरण संबद्धाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हारियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेशनल लैंब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

जैव नैतो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय जीजेयू हिसार, केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एन-एवीआई मोहाली तथा चौधरी चरण सिंह हारियाणा कृषि विवि के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागियों के साथ जागरण



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागियों के साथ जागरण

हैं, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन

चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्झेन, एआइ) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटेक्नोलाजी, नैनो टेक्नोलाजी तथा माइक्रोवायोलाजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डा. केडी शर्मा ने कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को महेनजर रखते हुए, विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूक करना अति आवश्यक है। इस मौके पर कोर्स कोर्डनेटर डा. गुलाब सिंह, डा. नवीन कौशिक, डा. शिखा जैन रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब → सरो

दिनांक  
18. 9.25

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
५-५

## कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टैक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका: प्रो. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर  
(ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैंब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला के समापन अवसर पर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ

होगा तथा आधुनिक तकनीक (डोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटेक्नोलॉजी, वैनो टैक्नोलॉजी तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इन वैज्ञानिक प्रगतियों को व्यवहारिक स्तर पर लागू किया जाये तो कृषि को न केवल उत्पादक बल्कि टिकाऊ, लाभकारी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोर्डिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मितल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटेक्नोलॉजी



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दीर्घ भूमि

दिनांक  
१४. १. २५

पृष्ठ संख्या  
॥

कॉलम  
२-५

# हकूमि में अनुसंधान और विकास पर कार्यशाला कृषि देश की अर्थव्यवस्था की दीढ़ : वीटी

हाइमूनि न्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेशनल लैब में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू हिसार, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहल्ली तथा हरियाणा



हिसार। प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित

रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र

अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत कृषि पढ़तियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (ड्रोन, एआई) का उपयोग बढ़ाना होगा।

कार्यक्रम में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कार्यशाला में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोसं के डायरेक्टर डॉ. केढी शर्मा ने सभी का स्वागत किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
जनीत समाचार

दिनांक  
18. 9. 25

पृष्ठ संख्या  
5

कॉलम  
1-3

### कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टैक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेरु, हिसार, के दीये

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और

वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों के बारे में जागरूक करना अति आवश्यक है। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोडिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मितल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। डॉ. शिखा जैन ने कार्यशाला के दौरान विभिन्न विषयों पर रिसोर्स पर्सन द्वारा दी गई तकनीकी जानकारी के बारे में बताया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला के



विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों के साथ। महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहाली तथा चौधरी, चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को महेनजर रखते हुए विद्यार्थियों और

तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कार्यशाला में उपरोक्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं कोर्स के डायरेक्टर डॉ. के.डी. शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र की वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों को महेनजर रखते हुए विद्यार्थियों और

फीडबैक पर भी प्रकाश डाला। डॉ. दिव्या मितल ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच संचालन डॉ. कनिका रानी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक    | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| नभ-२०२५            | 17.9.2025 | --           | --   |

## अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

नभ-छोट न्यूज || 17 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नैशनल लैब में अनुसंधान और विकास हेतु उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नैनो प्रौद्योगिकी विभाग एवं औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू हिसार, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनएबीआई, मोहाली तथा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रक्रिया जानते हैं। लेकिन जब यह ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण से जुड़ता है, तभी वह वास्तविक विद्या बनता है और तभी ज्ञान बुद्धि में रूपांतरित होता है। कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका की रीढ़ है। बदलते परिवेश में यह क्षेत्र अनेक चुनौतियों और अवसरों के दौर से गुजर रहा है। आधुनिक विज्ञान और तकनीक के सहयोग से हम कृषि को अधिक टिकाऊ बना सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए हमें सतत कृषि पद्धतियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक ( ड्रोन, एआई ) का उपयोग बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, बायोटैक्नोलॉजी, नैनो टैक्नोलॉजी तथा माइक्रोबायोलॉजी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि इन वैज्ञानिक प्रगतियों को व्यवहारिक स्तर पर लागू किया जाये तो कृषि को न केवल उत्पादक बल्कि टिकाऊ, लाभकारी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। यही प्रयास किसानों की आय बढ़ाने और देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण के लिए हकूमि एक बहुत बड़ा प्लेटफार्म है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। प्रशिक्षण के दौरान कोर्स कोडिनेटर डॉ. गुलाब सिंह, डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. शिखा जैन, डॉ. दिव्या मित्तल, डॉ. कनिका रानी तथा बायोटैक्नोलॉजी महाविद्यालय के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक    | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| समाचार पत्र        | 17.9.2025 | --           | --   |

**कृषि में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में टैक्नोलोजी की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. काम्बोज**

हकूमत में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विश्लेषणात्मक उपकरण विषय पर कार्यशाला आयोजित

सिटी पफ्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह शर्मायाण कृषि विद्यविद्यालय को नेशनल लैब में अनुसंधान और विकास के लिए उच्च स्तरीय विद्यालयमें विद्यालयात्मक उपकरण विषय पर सात दिनसौरा कार्यशाला आयोजित की गई। जैव नेनों प्रोटोटाइप्सी विभाग एवं ओडीओपी जैव प्रोटोटाइप्सी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई कार्यशाला में पंजाब कृषि विद्यविद्यालय, हिसार, के द्वारा विश्वविद्यालय महोदगढ़, कुशेत्र विश्वविद्यालय, एनवीआई, माहाली तथा चौधरी चरण सिंह शर्मायाण कृषि विद्यविद्यालय के

प्रतीतमानयोनि भगवान्तिवा कायशास्त्रानि  
के समापनं अवसरं पदं  
विश्वविद्यालयं के कृतपूर्ति प्रो.  
बी. आर. कामज्ञेय बटीर मुख्य  
अधिकारी उपस्थित है।

अनेक चुनौतियाँ और अवसरों के दौर  
से गुरुत्व रखते हैं।

आधुनिक विज्ञान और तकनीक  
के सहयोग से हम काफ़ी को अधिक  
विद्यालय बना सकते हैं। इन नवीनीकरणों

कुलात्मक प्रेरणा सम्बोधनेन कहा कि जब तक हम केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित रहते हैं, तब तक हम केवल प्रौद्योगिकी जानते हैं। लेकिन जब हम ज्ञान उद्देश्य और दृष्टिकोण सुनुकर हैं, तभी वह व्यावरणक विद्या से निपन्नन के लिए हम सक्षम कर्त्तव्य प्रदातियों को अपनाना होगा तथा आधुनिक तकनीक (इन, एआई) का उपयोग आवश्यक होता। उनका काम कि वह सेवा में जलसाधा परिवर्तन स्थापित करा अवश्यक नहीं।

कलापनि पो वी आर ग्रामोंग परिवारियों के नाम

वर्तित किए।  
कार्यसाला में महाविद्यालय के प्रधानाता एवं कोमेंट के डायेक्टर डॉ. डॉ. शमा ने कल कि कृषि बोर्ड के अधिकारी एवं भवितव्य की चुनौतियों पर महानव रखने की उपलब्धियों और वैज्ञानिकों का नवीनतम कठोरों के बारे में जागरूक करना दिए अश्वक थे। प्रशिक्षण के अन्तर्गत नए कोमेंटर डॉ. गुलबाल डॉ. नवीन कौशिक, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. दिव्या मित्रल, डॉ. कमलिनी और तथा आयोडोक्टोरों जी विद्यालय के अन्त वैज्ञानिक

## शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी



सिटी पल्स न्यूज़, हिमारा चौथी चरण सिंह लैरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नंद मोती जी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेंड मां के नाम' अधियान के तहत साप्तहिक पीढ़ीघोषणा कार्यक्रम में घोषित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर भू-जुड़ायी चौक (नंगदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौ. श्री आर. कामोजे ने बैठकर मुख्य का पौधा लगाया। कुलपति प्रौ. कामोजे ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'एक पेंड मां के नाम' अधियान के तहत दंसपर में पौधारोपण किया जा रहा है। इसमें लोगों ने जागरूकता पैदा होती है औ पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। कुलपति एवं दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पाणी कुमार ने बताया कि इस अधियान के तहत विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केंद्रों में पौधारोपण किया जा



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
**दैर्घ्य भूमि**

दिनांक  
18. 9. 25

पृष्ठ संख्या  
12

कॉलम  
3-6

**हकृति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस किया पौधरोपण**

**भू-दृश्य संरचना इकाई**  
का सिल्वर जुबली  
चौक पर कार्यक्रम

**स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण बनाए रखने**  
**को पौधरोपण करना जरूरीः प्रो. काम्बोज**

हारिभूमि न्यूज़ || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करते हुए अमलतास का पौधा लगाया।

वीसी प्रो. काम्बोज ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत



हिसार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज। फोटो: हरिभूमि

देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है।

### हरित क्षेत्र बढ़ाएं

स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधरोपण जरूरी है। कुलपति ने बताया कि वृक्ष हरित क्षेत्र का विस्तार करने, ब्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने तथा भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित, प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कुलपति एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब के सरी

दिनांक  
18. 9. 25

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
७-८

### हकृति में पौधारोपण अभियान आयोजित

हिसार, 17 सितम्बर  
(बूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मादिवस पर पौधारोपण द्वारा सिल्वर जुबली चौक पर करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की ओर अमलतास का पौधा लगाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दैनिक मास्क

दिनांक  
१४. ७. २५

पृष्ठ संख्या  
५

कॉलम  
३

### इधर... एचएयू में पौधरोपण किया



हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अधिकारी शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
दैनिक जागरण

दिनांक  
18. 9. 25

पृष्ठ संख्या  
4

कॉलम  
4-5

## स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जश्नी : प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई की तरफ से सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोखक आकर्षीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियंत्रित करने और जलवायु परिवर्तन

को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट-पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। वृक्षों से भोजन, लकड़ी, लाया और औषधियां प्राप्त होती हैं।

कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डा. पवन कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधारोपण किया जा रहा है।



हकृति में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर पौधारोपण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
अजीत समाचार

दिनांक  
18. 9. 25

पृष्ठ संख्या  
12

कॉलम  
6. 8

### स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जनकी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार, 17 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्म दिन पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतार मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। कुलसचिव एवं भूदृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी माननीय प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधारोपण किया जा रहा है जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष सहित कर्मचारी भी मौजूद रहे।





# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक    | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--------------------|-----------|--------------|------|
| जगमार्ग न्यूज      | 17.9.2025 | --           | --   |

## स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरीः प्रो. बीआर काम्बोज

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्म दिवस पर 'एक पेड़ मां के नाम'



अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं 1) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। पेड़ कार्बन

डाइऑक्साइड को सोखकर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियंत्रित करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी ऊरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट-पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। वृक्षों से भोजन, लकड़ी, छाया और औषधियां प्राप्त होती हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम   | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|--|--------|--------------|------|
| नभ-छोर न्यूज १७ सितंबर<br>हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ७५वें जन्म दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं १) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियन्त्रित करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट-पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। कुलपति ने बताया कि वृक्ष हरित क्षेत्र का विस्तार करने, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने तथा भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित, प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधारोपण किया गया। |        |              |      |

## स्वच्छ और शुद्ध पर्यावरण के लिए पौधारोपण जरूरी: प्रो. काम्बोज

नभ-छोर न्यूज १७ सितंबर  
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ७५वें जन्म दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सामूहिक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भू-दृश्य संरचना इकाई द्वारा सिल्वर जुबली चौक (नजदीक विश्वविद्यालय गेट नं १) पर आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और अमलतास का पौधा लगाया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के

तहत देशभर में पौधारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में जागरूकता पैदा होती है और पर्यावरण संतुलन में मदद मिलती है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को सोखकर ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जिससे वायु शुद्ध होती है। उन्होंने कहा कि पेड़ वर्षा लाने, तापमान नियन्त्रित करने और जलवायु परिवर्तन को कम करने में भी सहायक होते हैं। वृक्ष मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं जिससे मिट्टी का संरक्षण होता है। वृक्ष पक्षियों, जानवरों और कीट-पतंगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर जैव विविधता का संरक्षण भी करते हैं। वृक्ष

मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। कुलपति ने बताया कि वृक्ष हरित क्षेत्र का विस्तार करने, ग्लोबल वार्मिंग और प्रदूषण को कम करने, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण तैयार करने तथा भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित, प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध करवाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कुलसचिव एवं भू-दृश्य संरचना इकाई के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि इस अभियान के तहत प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर और कृषि विज्ञान केन्द्रों में पौधारोपण किया गया।